RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

पाल वंश और सेन वंश



LIVE STREAMING 10-06-2024 7:00 PM

पाल वंश (बंगाल का पालवंश)

imp

- संस्थापक – (founder) - गोपाल
- राजधानी - मुंगेर
- पाल शासक बौध्द धर्म के अनुयायी थे।

imp

- गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना

धर्मपाल - गोपाल का पुत्र

imp

- विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना करवाया।
- पाल वंश का सबसे महान शासक
- त्रिपक्षीय संघर्ष कन्नौज के लिए पाल वंश,
- गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ।
- इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ।
- गुजराती कवि सोड्ढल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से सम्बोधित किया था।

कन्नौज

↳ अधिकार

↳ हर्षवर्धन ⇒ की मृत्यु के पश्चात्

⇓

कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष

पालवंश, राष्ट्रकूट वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश।

↳ 200 वर्ष

कन्नौज पर अधिकार

↳ गुर्जर प्रतिहार वंश

- सोमपुर महाविहार का निर्माण - धर्मपाल

देवपाल धर्मपाल का पुत्र

- पालवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
- उपाधि - परमसौगात
- निर्माण - ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बोद्धमठ ~~का~~ का निर्माण देवपाल ने करवाया था।

- अन्तिम शासक - गोविंदपाल
- **Note: -** अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत

गोपाल → धर्मपाल → देवपाल ⇒ अन्तिम शासक ⇒ ~~महिपाल~~ गोविंदपाल

बंगाल का सेन वंश

- संस्थापक - सामन्त सेन ने राढ़ में की थी।
- राजधानी - नदिया (लखनौती) थी।
- प्रमुख शासक - विजयसेन, बल्लाल सेन एंव लक्ष्मण सेन।

विजय सेन - सेन वंश का प्रथम स्वंतत्र शासक
शैवधर्म का अनुयायी था।

उपाधि - परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज
Titles

विजयसेन ने विजयीपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

बल्लासेन Ballasena

उपाधि - गोडेश्वर, निःशंक शंकर/ Title - Godeshwar Nishshank Shankar

दानसागर व अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना बल्लासेन ने की।

ग्रंथ
दानसागर
अद्भुत सागर

↳ को पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

लक्ष्मण सेन - सेन वंश का अंतिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया। The last glorious ruler of the Sen dynasty who established authority over the whole of Bengal.

Imp

लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को ~~पराजित करके~~ पराजित करके परमभागवत् की उपाधि धारण की। Lakshman Sen defeated the Gahadavala ruler Jaichand and assumed the title of Parambhagavat.

लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में रहते थे-

Those who were in the court of Lakshman Sen were-

(1) गीत गोविन्द के लेखक जयदेव /Jaydev, author of Geeta Govind

(2) पवनदूत के लेखक धोयी/Dhoyi, author of Pavandoot

(3) ब्राह्मण सर्वस्व के लेखक हलायुद्ध/Halayuddha, author of Brahman Sarvasva

लक्ष्मण

- ~~लक्ष्म~~ सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था।
- Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.
- सेन राजवंश प्रथम राजवंश था, जिसने अपने अभिलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण ~~करवाया।~~ करवाये थे।

जयदेव → गीत गोविंद

धोयी → पवनदूत

हलायुद्ध → ब्राह्मण सर्वस्व

मध्यकालीन भारत का इतिहास

712 AD - 1526 AD

⇓

दिल्ली सल्तनत (1206-1526)

- G ⇒ गुलाम वंश (1206-1290)
- K ⇒ खिलजी वंश (1290-1320)
- T ⇒ तुगलक वंश (1320-1414)
- S ⇒ सैय्यद " (1414-1451)
- L ⇒ लोदी वंश (1451-1526)

1526 AD - 1857 AD

↳ मुगल ⟶ मुगल वंश की स्थापना

↳ 1526-1857

⇓

बाबर

707 ⇒ औरंगजेब

भारत पर अरब आक्रमण



- पहला अरब आक्रमण – 711 : (अबैदुल्लाह) – असफल
  First Arab Invasion - 711 : (Abaidullah) - Failed
- दूसरा अरब आक्रमण – 711 : (बुदैल) – असफल
  Second Arab Invasion - 711 : (Budail) - Failed
- तीसरा अरब आक्रमण – 712 : (मो. बिन कासिम) – सफल
  Third Arab Invasion - 712 : (Md. Bin Qasim) - Successful

उद्देश्य - ① धन लूटना
② इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार

"अलहजाज का सेनापति"

प्रथम मुस्लिम अरब आक्रमणकारी
first muslim arab invader

"Commander of Alhajj"

"खैबर दर्रे से आया"

"came from the Khyber Pass"

पाकऔर अफगा०

- मो. बिन कासिम के आक्रमण के समय सिंध का राजा "दाहिर" था जिसकी दो पुत्रियाँ : सूर्यमला व परिमला थी।

  Mo. At the time of Bin Qasim's invasion, the king of Sindh was "Dahir" who had two daughters: Suryamala and Parimala.

- पहला आक्रमण – सिंध क्षेत्र (देवॅल बंदरगाह)

  First Invasion - Sindh Region (Dewal Port)

→ फिर नीरम बौद्ध स्थल

again silent Buddhist site

सिंध देश

- सिंध पर जजिया कर लगाया :– (गैर मुस्लिम)

  Jizya tax was imposed on Sindh :- (Non-Muslim)

→ जजिया कर नहीं लगाया।

(ब्राह्मण, विधवा, विकलांग पर नही)

(not on brahmin, widow, disabled)

RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

पाल वंश और सेन वंश



LIVE STREAMING 10-06-2024 7:00 PM

पाल वंश बंगाल का पालवंश

- संस्थापक – (founder) - गोपाल
- राजधानी - मुंगेर
- पाल शासक बौध्द धर्म के अनुयायी थे।
- गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना

धर्मपाल - गोपाल का पुत्र

- विग्रमाशिला विश्व की स्थापना की।
- पाल वंश का सबसे महान शासक
- त्रिपक्षीय संघर्ष कन्नौज के लिए पाल वंश

- गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ।
- इसमें पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ।
- गुजराती कवि सोड्ढल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से सम्बोधित किया था।

- सोमपुर महाविहार का निर्माण - धर्मपाल

देवपाल धर्मपाल का पुत्र

  - पालवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
  - उपाधि - परमसौगात
  - निर्माण - ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बोद्धमठ कर निर्माण देवपाल ने करवाया था।

- अन्तिम शासक - मदन पाल
- **Note:** - अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत

बंगाल का सेन वंश

- **संस्थापक** - सामन्त सेन ने राढ़ में की थी।
- **राजधानी** - नदिया लखनौती थी।
- **प्रमुख शासक** - विजयसेन बल्लाल सेन एंव लक्ष्मण सेन।

विजय सेन - सेन वंश का प्रथम स्वंतत्र शासक
- शैवधर्म का अनुयायी था।

उपाधि - परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज

विजयसेन ने विजयीपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

बल्लासेन Ballasena

उपाधि - गोडेश्वर निःशंक शंकर/ Title - Godeshwar Nishshank Shankar

दानसागर व अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना बल्लासेन ने की।

→ को पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

लक्ष्मण सेन - सेन वंश का अंतिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया। The last glorious ruler of the Sen dynasty who established authority over the whole of Bengal.

→ लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को वराजित करके परमभागवत् की उपाधि धारण की। Lakshman Sen defeated the Gahadavala ruler Jaichand and assumed the title of Parambhagavat.

लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में रहते थे-

Those who were in the court of Lakshman Sen were-

(1) गीत गोविन्द के लेखक जयदेव /Jaydev, author of Geeta Govind

(2) पवनदूत के लेखक धोयी/Dhoyi, author of Pavandoot

(3) ब्राह्मण सर्वस्व के लेखक हलायुद्ध/Halayuddha, author of Brahman Sarvasva

- लक्ष्ण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था।
- Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.
- सेन राजवंश प्रथम राजवंश था, जिसने अपना आभलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाया।

Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal.

थानेश्वर का पुष्यभूति वंश (वर्धन वंश)

संस्थापक – पुष्यभूति

मौखरी वंश का शासक– "अवंति वर्मन" का सामंत

प्रभाकर वर्धन

1. राज्य वर्द्धन (बड़ापुत्र)
2. राज्यश्री (पुत्री)
3. हर्षवर्द्धन (छोटा पुत्र)

- प्रभाकर वर्द्धन ने राज्यश्री की शादी अवंतिवर्मन के पुत्र गृहवर्मन से कर दी।
  Prabhakara Vardhana married Rajyashri to Grihavarman, son of Avantivarman.
- शशांक और देवगुप्त ने मिलकर गृहवर्मन की हत्याकर "राज्यश्री" का अपहरण कर लिया।
  Shashank and Devagupt together abducted "Rajyashri" after killing Grihavarman.

- प्रभाकर वर्धन के समय पर हूणो ने आक्रमण किया जिसका दमन करने के लिए राज्यवर्धन को भेजा!
  At the time of Prabhakar Vardhan, Huno attacked, sent Rajyavardhan to suppress it!
- कुरंगक दूत से हर्षवर्धन ने अपने पिता प्रभाकर वर्धन व माता यशोमती (सती) की मृत्यु का खबर सुनकर अपने राज्य आते है।
  Harshvardhan came to his kingdom after hearing the news of the death of his father Prabhakar Vardhan and mother Yashomati (Sati) from the messenger of Kurangak.
- राज्यवर्धन ने देवगुप्त की हत्या कर दी। **Rajyavardhana killed Devagupta.**
- शशांक ने राज्यवर्धन की हत्या की। **Shashank killed Rajyavardhan.**

↓

हर्षवर्धन (606–647ई0) Harshavardhana (606-647 AD)

- जन्म – 590 AD **Birth - 590 AD**
- पत्नी – दुर्गावती **Wife - Durgavati**
- गद्दी – 606 AD में **Gaddi - in 606 AD**

★ गौड़ नरेश शशांक को पराजित कर दिया। Gaur king Shashank was defeated.

★ दिवाकर मित्र (बौद्ध भिक्षु) की मदद से हर्षवर्धन ने अपने बहन राज्यश्री को खोजा।
With the help of Diwakar Mitra (Buddhist monk), Harshavardhana found his sister Rajyashri.

★ हर्षवर्द्धन को साहित्य का सम्राट कहा जाता है!
Harshvardhan is called the emperor of literature!

राजधानी – कान्यकुब्ज (कन्नौज) Capital - Kanyakubj (Kannauj)

★ हर्षवर्धन को पुलकेशिन ने हराया था! (नर्मदा नदी के तट पर) – 618 ई0 में।
Harshavardhana was defeated by Pulakeshin! (On the banks of Narmada river) - In 618 AD.

➢ हर्षवर्द्धन के नाटक – 1. नागानंद
2. रत्नावली
3. प्रियदर्शिका

संस्कृत भाषा

इन नाटको को लिखने का श्रेय कवि "धावक" को दिया।
धोयी – पुस्तक
पवनदूत

➢ हर्ष वर्द्धन के दरबारी – 1. बाणभट्ट : The courtiers of Harshvardhan - 1. Banabhatta:

कादम्बरी , (हर्षचरित) – Kadambari, (Harshacharita)

8 भागों में

प्रत्येक भाग को (उच्छवास)

2. मयूर भट्ट : सूर्यशतक, मयूर शतक 3 + 5
Mayur Bhatt: Suryashtak, Mayur Shatak 3 + 5

3. मातंग दिवाकर : बाणभट्ट
हर्ष

Matang Diwakar:

कोई Book नहीं

4. भर्तृहरी

❖ शोढ़ल ने हर्षवर्धन को 'साहित्यिक हर्ष' कहा है।
Shodhal has called Harshvardhan a 'literary joy'.

ह्वेनसांग Hnensang

630 – 645

15 वर्षो तक रहा

★ चीन से आया (चीनी यात्री) Came from China (Chinese traveller)

★ यात्रियो का राजकुमार (Prince of Pilgrlims)
Came from China (Chinese traveller) Prince of Pilgrlims

★ त्सांग भी कहा जाता है। Also called Tsang.

★ 18 महीने : नालंदा में महायान शाखा का अध्ययन किया।
18 months: Studied Mahayana school at Nalandha.

कुलपति :– शीलभद्र (5 : 1) – विद्यार्थी + शिक्षक:
Vice Chancellor :- Sheelbhadra (5:1) - Teacher : Student

★ यात्रा विवरण : "सी.यू.की" पुस्तक। Travel Details: "C.U.Ki" book.

★ ह्वेनसांग की जीवनी – व्हिली ने Biography of Hsien Tsang - Whillie

★ "सी.यू.की" पुस्तक :–
Book "C.U.Ki."

- व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र : कन्नौज
- दक्षिण में व्यापार का महत्वपूर्ण केन्द्र : कांची
- हर्ष की सेना : चतुरंगिणी
- हर्ष का नाम : शिलादित्य

- हर्ष के सेना में अरब सेना का सेनापति : कुंतल
  Commander of Arab army in Harsha's army: Kuntal
- हर्षवर्द्धन के कार्य : 1. महामोक्ष परिषद का आयोजन :– 2
  Commander of Arab army in Harsha's army: Kuntal

1. प्रयाग
2. कन्नौज

2. कुंभ मेलों की शुरूआत :
Beginning of Kumbh Melas:

1. प्रयागराज (यू.पी)
Prayagraj (U.P.)
2. हरिद्वार (यू.के)
Haridwar (U.K.)
3. नासिक (महाराष्ट्र)
3. Nasik (Maharashtra)
4. उज्जैन (मध्य प्रदेश)
4. Ujjain (Madhya Pradesh)

अर्द्धकुम्भ – 6 वर्ष
Ardh Kumbh - 6 years
कुम्भ – 12 वर्ष
Aquarius - 12 years
महाकुम्भ – 24 वर्ष
Mahakumbh - 24 years

- हर्ष के पुत्र = Son of Harsha
  - वाग्यवर्धन Vagyavardhan
  - कल्याणवर्धन Kalyanvardhan

भारत पर अरब आक्रमण



- पहला अरब आक्रमण – 711 : (अबैदुल्लाह) – असफल
  First Arab Invasion - 711 : (Abaidullah) - Failed
- दूसरा अरब आक्रमण – 711 : (बुदैल) – असफल
  Second Arab Invasion - 711 : (Budail) - Failed
- तीसरा अरब आक्रमण – 712 : (मो. बिन कासिम) – सफल
  Third Arab Invasion - 712 : (Md. Bin Qasim) - Successful

प्रथम मुस्लिम अरब आक्रमणकारी
first muslim arab invader

"अलहजाज का सेनापति" "Commander of Alhajj"

"खैबर दर्रे से आया"
"came from the Khyber Pass"

- मो. बिन कासिम के आक्रमण के समय सिंध का राजा "दाहिर" था जिसकी दो पुत्रियाँ : सूर्यमला व परिमला थी।

  Mo. At the time of Bin Qasim's invasion, the king of Sindh was "Dahir" who had two daughters: Suryamala and Parimala.

- पहला आक्रमण – सिंध क्षेत्र (देवल बंदरगाह)

  First Invasion - Sindh Region (Dewal Port)

  फिर नीरम बौद्ध स्थल

  again silent Buddhist site

- सिंध पर जजिया कर लगाया :– (गैर मुस्लिम)

  Jizya tax was imposed on Sindh :- (Non-Muslim)

  (ब्राह्मण, विधवा, विकलांग पर नही)

  (not on brahmin, widow, disabled)



- इस सब की जानकारी मिलती है– "चचनामा" (Book)

  Information about all this is available - "Chachnama" (Book)

  ↳ अली अहमद **Ali Ahmed**

- अरब आक्रमण के उद्देश्य :–

  Objectives of Arab invasion: -

  लूट करना **rob**

  इस्लाम का प्रसार करना **spread islam**

- मो. बिन कासिम ने सोने के सिक्के (दिरहम) जारी किए।

  Mo. Bin Qasim issued gold coins (dirhams).

  ↓

  प्रथम मुस्लिम शासक

  first muslim ruler

- अरब आक्रमण का प्रभाव :–
  Effect of Arab invasion :-

ऊँट पालन की शुरुआत
camel rearing started

मानचित्र कला का विकास
Development Of Cartography

मानसून की जानकारी
monsoon information

खजूर की खेती की शुरुआत
Beginning of date palm cultivation

दशमलव सिद्धांत
decimal theory

भारत पर तुर्क आक्रमण

AFGANISTAN

गजनी (Place)

यामिनी वंश (गजनी वंश)

Yamini dynasty (Ghazni dynasty)

संस्थापक : अल्पतगीन – सुबुक्तगीन – महमूद गजनवी

Founder: Alpatgin - Subuktgin - Mahmud Ghaznavi

(असफल) (fail)

(प्रथम तुर्क आक्रमणकारी) (First Turk invader)

- भारत पर प्रथम तुर्क आक्रमण हिन्दू शाही वंश "जयपाल" शासक के विरुद्ध हुआ।
  The first Turkish attack on India took place against the Hindu Shahi dynasty "Jayapal" ruler.

  986AD सुबुक्तगीन 986AD Subuktagin

महमूद गजनवी



- 998AD में गद्दी पर बैठा!

  Ascended The Throne In 998AD!

- सुल्तान और गाजी की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक।

  The first ruler to assume the title of Sultan and Ghazi.

- अन्य नाम – यामीन – उद् दौला, यामीन – उल – बिल्लाह, बुतशिकन

  Other Names - Yameen-ud-Daulah, Yameen-ul-Billah, Butshikan

  मूर्तिभंजक (मूर्ति को तोड़ने वाला) idol breaker

- भारत पर आक्रमण – 1000AD (कोई नतीजा नहीं)

  Invasion of India - 1000AD (no result)

- पहला सफल आक्रमण – 1001AD में

First successful invasion - in 1001AD

"वैहिन्द का युद्ध" = जयपाल Vs. महमूद गजनवी

"Battle of Vahind" = Jaipal Vs Mahmud Ghaznavi

महमूद गजनवी (1000–1027 ई0)

17 बार आक्रमण किया Attacked 17 Times

- 1005 में मुल्तान पर आक्रमण किया। Attacked Multan in 1005.
- 1008 में नगरकोट (H.P) पर आक्रमण किया

  Invaded Nagarkot (H.P) in 1008
- 1018 में कन्नौज पर (राज्यपाल गुर्जर)

  On Kannauj in 1018 (Governor Gurjar)

गुर्जर शासक Gujjar Ruler

- कांलिजर अभियान (विधाधर) Callizer Campaign (Vidhaar)

चंदेल शासक Chandel ruler

- 1025 – 16वाँ आक्रमण 1025 - 16th Invasion

  सोमनाथ मंदिर (Gujrat) Somnath Temple

  इस समय शासक भीम प्रथम (चालुक्य वंश) था।

  The ruler at this time was Bhima I (Chalukya dynasty).

  हिन्दु आस्था को सबसे अधिक क्षति पहुचाने वाला आक्रमण था।

  The most damaging attack was on the Hindu faith.

- अंतिम आक्रमण – 1027 में – खोखरों के विरुद्ध

  Last attack - in 1027 - against the Khokhras

- 1030 में मृत्यु हो जाती है। Death in 1030 It happens.

- समकालीन लेखक contemporary writers

  - फिरदौसी (पूर्व का होमर)– शाहनामा पुस्तक (फारसी भाषा में)

    Firdausi (Eastern Homer) - Shahnama book (in Persian language)

    ईरान का महाकाव्य

    Epic Of Iran

  - अलबरुनी – किताब–उल–हिन्द, तारीख–ए–हिन्द

    Alberuni - Kitab-ul-Hind, Tarikh-e-Hind

    पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान

    First Muslim to study Puranas

  - उत्बी – किताब – उल– यामिनी Utbi - Kitab - ul - Yamini
  - वैहाकी – तारीख–ए–सुबुक्तगीन Vaihaki - Tarikh-e-Subuktagin



- मौहम्मद गौरी – (शिहाबुद्दीन)

Muhammad Ghori - (Shihabuddin)

1173 – 1206

गौर प्रदेश मिला था, **Gaur region was found,**

गौरी का भारत पर पहला आक्रमण 1175 (मुल्तान पर)

Ghori's first invasion of India 1175 (at Multan)

करमाती जाति पर

On The Enchantress Caste

शिया (बौद्ध हुआ करते थे)

Shia (used to be Buddhist)

- 1178 – पाटन (गुजरात पर) दूसरा आक्रमण

  1178 - Second attack on Patan (Gujarat)

  जिसमें इसे भीम–II (मूलराज–II) ने बुरी तरह हराया था।

  In which it was badly defeated by Bhima-II (Mularaj-II).

- भीम–II चालुक्य वंश का शासक था

  Bhima-II was the ruler of Chalukya dynasty



- इस युद्ध का नेतृत्व – नायिका देवी ने किया था।

  This war was led by - Nayika Devi.

  नायिका देवी मूलराज–II की माँ थी।

  Nayika Devi was the mother of Mularaja-II



- 1179 – कश्मीर और सिंध को जीता था

  1179 - Kashmir and Sindh were conquered

- 1186 – पंजाब जीता (भटिण्ड़ा, तबरहिंद)

  1186 - Punjab won (Bhatinda, Tabarhind)

- 1191 – तराईन का प्रथम युद्ध

  1191 - First Battle of Tarain

गौरी vs पृथ्वीराज चौहान (रायपिथौरा, पृथ्वीराज–III)

Gauri vs Prithviraj Chauhan (Raipithora, Prithviraj-III)

गौरी का हार हुई

Gauri lost

मित्र– "चन्दरबरदाई"

Friend - "Chanderbardai"

"चन्दरबरदाई" की पुस्तक – "पृथ्वीराजरासो"

Book of "Chandrabardai" – "Prithvirajraso"

- 1192 – तराईन का II युद्ध

1192 - Second Battle of Tarain

गौरी *Vs* पृथ्वी चौहान

Gauri Vs Prithvi Chauhan

गौरी जीता *अजमेर मिला – चौहान

Gauri won *Ajmer got – Chauhan

• पृथ्वीराज चौहान



दिल्ली बसाई (ढिल्लीका पुरी) पुराना नाम

Delhi Basai (Dhillika Puri) old name

अनंगपाल–II (अनंगपाल तोमर)

Anangpal-II (Anangpal Tomar)

कोई पुत्र नही था Had No Son

पृथ्वीराज चौहान के पिता – सोमेश्वर सिंह चौहान

Prithviraj Chauhan's father - Someshwar Singh Chauhan

- प्रेमिका – सयुंक्ता/संयोगिता Girlfriend - Sanyukta / Sanyogita
- 1194 – चन्दावर का युद्ध 1194 - Battle of Chandawar

गौरी *Vs* जयचंद (गहडवाल वंश)

Gauri Vs Jaichand (Gahdwal dynasty)

कन्नौज kannauj

गौरी की जीत Gauri's victory

★ मोइनुद्दीन चिश्ती तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गोरी के साथ आए। जो कि सूफीवाद के प्रवर्तक थे। (भारत)

Moinuddin Chishti accompanied Mohammad Ghori in the second battle of Tarain. Who was the originator of Sufism. (India)

★ चिश्ती – अजमेर (राज0) में रहते थे। **Chishti - lived in Ajmer (Raj).**

★ अजमेर में ही दरगाह है: (अजमेर शरीफ) – मोइनुद्दीन चिश्ती की।

There is a dargah in Ajmer itself: (Ajmer Sharif) - of Moinuddin Chishti.

★ मो. गोरी ने चंदावर युद्ध के बाद देवी लक्ष्मी के सिक्के चलवाए!

Mo. Ghori got the coins of Goddess Lakshmi issued after the Chandawar war.

★ उत्तर भारत में इक्ता प्रथा, चलवाई Iqta system Started in North India

वेतन के जगह पर जमीन का टुकड़ा मिलता था।

Instead of salary, a piece of land was given.

★ 1203 ई0 में कालिंजर अभियान में चंदेल शासक : परमादिदेव, को हराया!

In 1203 AD, Chandel ruler: Parmadidev, was defeated in the Kalinjar campaign!



सेनापति – आल्हा, उदल

Senapati - Alha, Udal

★ गोरी का अंतिम अभियान : खोखर जाति के विरुद्ध।
Ghori's last campaign: against the Khokhar caste.

★ गोरी की मृत्यु : 1206 Death of Ghori: 1206
दमयक (प0 पाकिस्तान) Damyak (West Pakistan)

★ गोरी के दास – 1. यल्दौज – गजनी (ऐबक का ससुर)
Slaves of Ghori - 1. Yaldouz - Ghazni (father-in-law of Aibak)

2. कुबाचा – सिंध (मुल्तान, काबुल, कांधार) = (ऐबक का जीजा)

2. Qubacha - Sindh (Multan, Kabul, Kandahar) = (brother-in-law of Aibak)

3. ऐबक (कुतुबुद्दीन) – (लाहौर + दिल्ली)
3. Aibak (Qutubuddin) - (Lahore + Delhi)

4. बाख्तियार खिलजी – (बंगाल + बिहार)
4. Bakhtiyar Khilji - (Bengal + Bihar)

बख्तियार खिलजी ने नष्ट किए

1. नालंदा विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Nalanda University
2. विक्रमशिला विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Vikramshila University
3. ओदंतपुरी विश्वविद्यालय : (बिहार)
   Odantpuri University

★ बख्तियार खिलजी पूर्व में मो0 गोरी का सेनापति या बाद में ऐबक का।

Bakhtiyar Khilji was formerly the commander of Mohd Ghori or later of Aibak.







दिल्ली सल्तनत (1206–1526AD)

★ दिल्ली सल्तनत में 5 वंश हुए:

There were 5 dynasties in the Delhi Sultanate:

गुलाम वंश – (1206–1290) **Slave Dynasty - (1206-1290)**

खिलजी वंश – (1290–1320) – सबसे कम कार्यकाल

Khilji dynasty - (1290-1320) - shortest tenure

तुगलक वंश – (1320–1414) – सबसे लम्बा कार्यकाल

Tughlaq Dynasty - (1320-1414) - longest tenure

सैय्यद वंश – (1414–1451) **Sayyid Dynasty - (1414-1451)**

लोदी वंश – (1451–1526) **Lodi Dynasty - (1451-1526)**

गुलाम वंश (Gulam Dynasty) 1206–1290AD

गुलाम वंश के अन्य नाम :– दास वंश (Slave dynasty)

Other names of slave dynasty: - Slave dynasty

- ममलूक वंश mamluk dynasty
- इल्बरी वंश Ilbury dynasty



गुलाम वंश में कुल शासक – 11

Total rulers in slave dynasty - 11

(1) कुतुबुद्दीन ऐबक (1206–1210) – गुलाम वंश का संस्थापक

Qutbuddin Aibak - Founder of Slave Dynasty

(जन्म :– 1150 ई0) राजधानी : लाहौर

(Birth :- 1150 AD) Capital : Lahore

सैन्य राजधानी : इन्द्रप्रस्थ

Military Capital: Indraprastha

गौरी का गुलाम था। **Gauri's slave.**

इसे मिर्जा अजीज कोका से खरीदा गया था। गौरी ने खरीदा था।

It was bought from Mirza Aziz Koka. Gauri had bought it.

★ मो. गौरी ने ऐबक को दो उपाधि मलिक और सिपहसलार प्रदान की।

Mohd. Gauri gave two titles to Aibak, Malik and Sipahsalar.

★ ऐबक गौरी का दामाद भी बना। **Aibak also became Gauri's son-in-law.**

★ गौरी ने इसे शुरूआत में अमीर–ए–आखूर पद दिया।

Gauri initially gave him the post of Ameer-e-Akhur.

घोड़े के अस्तबल का प्रमुख **stable master**

लाहौर मृत्यु (चौगान खेलते समय)

Lahore death (while playing Chaugan)

★ ऐबक के other name - पील बख्श (हाथियो का दान करने वाला)

Aibak's other name. Peel Baksh (donor of elephants)

लाखबख्श Lakh Bakhsh

हातिम द्वितीय Hatim II

कुरान खाँ eat quran

★ ऐबक ने कभी भी अपने नाम का कोई सिक्का नहीं चलाया और न ही खुतबा (प्रशंसा पत्र) पढ़वाया।

Aibak never minted any coin in his name nor did he read Khutba (appreciation letter).

★ ऐबक बख्तियार काकी का शिष्य था।

Aibak Bakhtiyar was a disciple of Kaki.

सूफीवाद (Sufism)

बख्तियार काकी के गुरू – मोईनुद्दीन चिश्ती थे,

Bakhtiyar Kaki's teacher was Moinuddin Chishti.

★ ऐबक के निर्माण कार्य Aibak's construction work-

(1) कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद–दिल्ली– उत्तर भारत की पहली मस्जिद

Quwwat-ul-Islam Mosque-Delhi – The first mosque of North India

(2) अढ़ाई दिन का झोंपड़ा – अजमेर

(3) कुतुबमीनार का निर्माण शुरू कराया।

Started the construction of Qutub Minar.

Height – 72.5m

1993 में UNESCO की विश्व विरासत सूची में शामिल।

Included in the UNESCO World Heritage List in 1993.







★ ऐबक को ही गुम्बद कला और मेहराब कला का जनक कहते हैं।

Aibak is called the father of dome art and arch art.

★ ऐबक का दरबारी कवि – हसन निजामी (पुस्तक ताजुल मासिर)

Aibak's Court Poet - Hasan Nizami (Book Tajul Masir)

★ ऐबक का मकबरा – लाहौर (इल्तुतमिश ने बनवाया)

Tomb of Aibak - Lahore (built by Iltutmish)

(2) आरामशाह (1210–1211)

❖ इसको इल्तुतमिश ने हरा दिया था, (जूड के युद्ध में)

It was defeated by Iltutmish (in the Battle of Jud)

(3) इल्तुतमिश (1211–1236)



- इसे गुलाम का गुलाम कहा गया।
  It was called slave of slave.
- उपाधि : अमीर–उल–उमरा
  Title: Ameer-ul-Umrah
- पिता : ईलम खां **Father : Ilam Khan**
- राजधानी – दिल्ली, **Capital - Delhi,**
- इल्तुतमिश को दिल्ली में सल्तनत काल का वास्तविक संस्थापक कहा जाता है।
  Iltutmish is said to be the real founder of the Sultanate period in Delhi.

- इल्तुतमिश ने 'इक्ता प्रथा' चलाई (Iqta system)

  Iltutmish started 'Iqta Pratha' (Iqta system)

- तुर्क–ए–चहलगानी (40 सरदार) का गठन किया।

  Turk-e-Chahalgani (40 chieftains) was formed.

- आगरा में न्याय का घंटा लगवाया

  A bell of justice was installed in Agra

- इल्तुतमिश के समय का इतिहास – तारीख–ए–फिरोजशाही में लिखा है। (लेखक–बरनी)

  The history of the time of Iltutmish is written in Tarikh-e-Firozshahi. (Author-Barni)

- खलीफा से खिलअत प्राप्त करने वाला पहला सुल्तान बना।

  Became the first Sultan to receive Khilafat from Khalifa.

- तराईन का तृतीय युद्ध – 1215 AD यल्दौज को इल्तुतमिश ने हराया।

Third Battle of Tarain - 1215 AD Yaldouz was defeated by Iltutmish.



(मुद्रा) – जीतल + टंका

(Currency) - Jital + Tanka

(ताँबा) (चाँदी)

(copper) (silver)

- इल्तुतमिश के समय 1221 में मंगोलो का आक्रमण हुआ (नेतृत्व चंगेजखाँ (तिमूचिन)

Mongol invasion in 1221 under Iltutmish (led by Genghis Khan (Timuchin)

❖ मकबरा शैली का जनक – इल्तुतमिश

Father of Tomb Style - Iltutmish



सुल्तानगढ़ी का मकबरा **Tomb of Sultangarhi**

इल्तुतमिश ने बड़े बेटे महमूद की याद में बनवाया।

Iltutmish built it in memory of his elder son Mahmud.

★ टकसाल (mint) का नाम सिक्को पर लिखावाया।

The name of the mint was written on the coins.

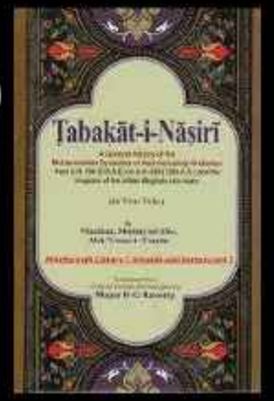
★ अतारकिन का दरवाजा – जोधपुर में इल्तुतमिश ने बनवाया।

Atarkin's Gate - Built by Iltutmish in Jodhpur.



★ इल्तुतमिश का दरबारी कवि – मिन्हाज–उस–सिराज (पुस्तक तबकात–ए–नासिरी)

Court poet of Iltutmish - Minhaj-us-Siraj (Book Tabaqat-i-Nasiri)



★ इल्तुतमिश का मकबरा – दिल्ली में – इल्तुतमिश ने ही बनवाया।

The tomb of Iltutmish - in Delhi - was built by Iltutmish himself.

★ 1236 में मृत्यु। **Died in 1236.**

★ इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार को पूर्ण कराया।

Iltutmish completed the Qutub Minar.

(4) रुकनुद्दीन फिरोज (1236–1236)

(Ruknuddin Firoz)

माँ–शाह तुर्कान

Mother-Shah Turkan

पिता – इल्तुतमिश

Father- Iltutmish



(5) रजिया सुल्तान (1236–1240)

- तुर्की इतिहास की पहली मुस्लिम शासिका।
  The first Muslim ruler in Turkish history.
- इल्तुतमिश की बेटी थी।
  She was the daughter of Iltutmish.



★ रजिया कुलहा और चोगा धारण करती थी

★ **Razia used to wear kulha and choga**

★ रजिया ने काले गुलाम 'याकूत' को 'अमीर–ए–आखूर नियुक्त किया।

Razia appointed the black slave 'Yakut' as 'Amir-e-Akhur'.

अल्तूनिया के विद्रोह मे मारा गया।

He was killed in the revolt of Altunia.

❖ इसके खिलाफ होने वाले विद्रोह

Rebellions against it:- :–

(1) अल्तूनिया का विद्रोह (तबरहिंद, भटिण्डा PB)

Rebellion of Altunia (Tabarhind, Bhatinda PB)

❖ रजिया की हत्या 13 अक्टूबर 1240 को कैथल में हुई थी।

took place on 13 October 1240 at Kaithal.

(6) बहराम शाह (1240–42)

★ इल्तुतमिश का पुत्र, (रजिया का भाई)

Son of Iltutmish (brother of Razia)

★ इसने अपना नायब–ए–मूमलिकात – एतगीन को नियुक्त किया।

It appointed its Naib-i-Mumlikat - Etgin.

★ एतगीन की हत्या कराई।

Atgin was murdered.

★ तयर के नेतृत्व में मंगोलो ने 1241 में आक्रमण किया।

The Mongols invaded in 1241 under the leadership of Tayyar.

(7) मसूदशाह (1242–46)

★ रुकनुद्दीन फिरोज का पुत्र Son of Ruknuddin Firoz

(8) नसीरुद्दीन महमूद (1246–1266)

- इल्तुतमिश का पुत्र son of iltutmish
- सल्तनत काल का औरंगजेब Aurangzeb of the Sultanate period
- टोपी सीकर जीवन व्यतीत करता था।
  He used to live his life by looking for caps.
- नायब–ए–मुमलिकात–बलबन Naib-i-Mumlikat-Balban
- महमूद बलबन का दामाद था। Mahmud was the son-in-law of Balban.
- शम्सी वंश का खात्मा, प्रथम इल्बरी वंश का खात्मा
  End of Shamsi dynasty, end of first Ilbari dynasty

★ बलबन (1266–1287)

- इसका शासनकाल द्वितीय इलबरी वंश का शुरूआत माना जाता है।
  His reign is considered the beginning of the Second Ilbury dynasty.

बलबनी वंश Balbani dynasty

- पूरा नाम – गयासुद्दीन बलबन **Full Name - Ghiyasuddin Balban**
- यह इल्तुतमिश का गुलाम था **He was a slave of Iltutmish**
- वास्तविक नाम – बहाउद्दीन **Real name - Bahauddin**
- उपाधि – उलूग खाँ (यह उपाधि महमूद ने दी थी।)
  Title - Ulugh Khan (This title was given by Mahmud.)

- अमीर–ए–शिकार बना – बहराम के समय में
  Became Amir-i-Shikar - in the time of Bahram
- अमीर–ए–आखूर बना। **Became Amir-e-Akhoor.**
- लौह एवं रक्त नीति, मेवातिओ के खिलाफ अपनाई।
  Iron and blood policy adopted against Mevatio.
- तुर्क–ए–चहलगानी का अंत किया। **Turk-e-Chahalgani ended.**
- सिजदा (झुकना), पाबोस (चूमना), नौरोज उत्सव शुरू किए
  Started sijda (bowing), pabos (kissing), Nowruz celebrations
- पहली बार गैर–इस्लामिक प्रथा दिल्ली सल्तनत में लागू हुई।
  For the first time non-Islamic practices were introduced in the Delhi Sultanate.
- फारसी पद्वति में दरबार का गठन किया।
  The court was formed in the Persian system.

- सैनिको के लिए नकद वेतन की व्यवस्था की।

  Arrangements were made for the salaries of the soldiers.

- दो विभाग बनाए **Create two departments–**

  (1) बरीद–ए–मुमालिक – (गुप्तचर विभाग)

  Barid-e-Mumalik - (Intelligence Department)

  (2) दिवान–ए–अर्ज– (सैन्यविभाग)

  Diwan-e-Arj-(Military Department)

- बलबन ने न्याय विभाग की स्थापना की थी।
  Balban had established the Department of Justice.
- बलबन के समय 1279, 1285 में – मंगोल आक्रमण हुए।
  During the time of Balban, in 1279, 1285 - Mongol invasions took place.
- 1279 में बंगाल में विद्रोह तुगरिल खाँ ने किया।
  Tughril Khan revolted in Bengal in 1279.

★ कैकुबाद (बलबन का पोता)

किलोखरी का किला बनवाया।

Kilokhari fort was built.

★ कैमुर्स (शमसुद्दीन II)

गुलाम वंश का अंतिम शासक

last ruler of slave dynasty